सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 225 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 21 सितम्बर, 2023

सांसारिक वस्तुओं में सुख की तलाश करना व्यर्थ है आनंद का खजाना तुंहारे भीतर ही है।

-स्वामी राम तीर्थ

मो. सिराज बने दुनिया के नंबर वने... 7 | राजस्थान के रण पर सियासी रार... 3 | भाजपा ने महिलाओं का उड़ाया... 2

राहुल गांधी को अपने बीच पाकर गदगद हुए कुली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ट्रक ड्राइवरों और मैकेनिकों के बाद अब कुलियों से रूबरू हुए हैं। अपने बीच पाकर कुली खुशी से झूम उठे। राहुल गांधी ने दिल्ली के आनंद विहार आईएसबीटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कुलियों से बातचीत की और उनकी वर्दी पहनकर सामान भी उठाया। इस दौरान राहुल गांधी कुलियों द्वारा पहनी जाने वाली लाल रंग की शर्ट भी पहले हुए नजर आ। उधर कांग्रेस ने इसे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बताया है।

कांग्रेस ने ट्वीट किया,राहुल गांधी जी आज दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुली साथियों से मिले, पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें रेलवे स्टेशन के कुली साथियों ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की थी। आज राहुल जी उनके बीच पहुंचे और इत्मीनान से उनकी बात सुनी। भारत जोड़ो यात्रा जारी है। इससे पहले राहुल गांधी ने दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों के साथ यात्रा और इस दौरान उनसे हुई बातचीत का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया था. कांग्रेस ने बताया था कि ट्रक ड्राइवरों की समस्याएं सुनने के लिए राहुल ने यह यात्रा की थी। इसके कुछ दिनों बाद राहुल गांधी करोल बाग बाइक मार्केट पहुंचे थे, जहां उन्होंने मैकेनिकों से बातचीत की थी।

» सांसद ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर सिर पर उठाया सामान

वीडियो में राहुल गांधी को कुली की लाल शर्ट पहनते हुए देखा जा सकता है और एक दूसरा शख्स उनकी मदद करता भी दिख रहा है। इतना ही नहीं कांग्रेस नेता ने कुली का बैज भी लगाया। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद कुली और ऑटो ड्राइवर काफी खुश नजर आए, इस दौरान उन्होंने कहा कि बड़ी खुशी हुई कि राहुल गांधी हमसे मिलने के लिए यहां आए, उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने कुलियों को आश्वासन दिया है कि वो उनकी सारी समस्याओं को सरकार के सामने रखेंगे और परेशानियों को हल किया जाएगा।

हाथ में बैज और लाल शर्ट पहनी

महिला आरक्षण बिल में पिछड़ों और दलितों के नाम पर विपक्ष का जोरदार हमला

» नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर रास में बहस जारी

» भाजपा को उम्मीद सबकी सहमति से पास होगा बिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल लोक सभा में पास होने के बाद महिला आरक्षण विधेयक को वृहस्पतिवार को राज्य सभा में पेश कर दिया। भारी हंगामे के बीच उस पर बहस जारी है। विपक्ष के नेता उसमें पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यों को कोटा देने की मांग पर अड़े रहे जबकि सत्ता पक्ष ने कहा कि विपक्ष बेवजह से शोरशराबा कर रहा है। संसद के विशेष सत्र का आज चौथा दिन है।

राज्यसभा में सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम' बिल पेश कर दिया। इस बीच लोकसभा में विधेयक के पास होने पर पीएम मोदी ने सभी सांसदों का आभार जताया और इसे संसदीय इतिहास का स्वर्णिम अवसर करार दिया। गौरतलब है कि विशेष सत्र के तीसरे दिन लंबी बहस के बाद लोकसभा में विधेयक 454 वोटों के साथ पास हो गया था। बता दें, बहस में 27 महिला सदस्यों ने बहस में हिस्सा लिया था। उच्च सदन से पास होने के बाद विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी मिलते ही यह कानून बन जाएगा।

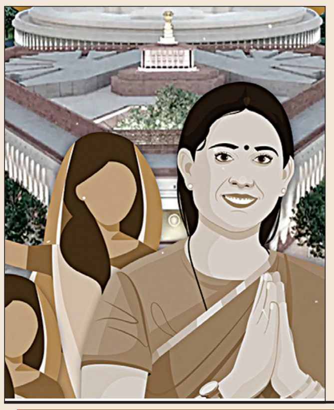

राज्यसभा में सर्वसम्मति से पास होगा विधेयक : नड्डा

राज्यसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सबसे पहले महिला आरक्षण विधेयक पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, कल लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास हुआ और मुझे आशा ही नहीं बल्कि विश्ववास है कि आज यहां पर भी ये बिल किसी भी बाधा के बगैर सर्वसम्मति से पास हो जाएगा। मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि जो आरक्षण का विषय काफी लंबे समय से चल रहा था उन्होंने उसको निर्णायक मोड़ पर लाने का प्रयास किया है। कुछ इस तरह की चर्चा हो रही है कि इस

बिल को अभी से लागू कर दिया जाए। मैं इसे स्पष्ट करना चाहता हूं कि कुछ संवैधानिक व्यवस्थाएं होती हैं, कुछ संवैधानिक कार्य करने का तरीका होता है हमें महिलाओं को आरक्षण देना है लेकिन किस सीट पर आरक्षण दिया जाए, किस पर न दिया जाए इसका फैसला सरकार नहीं कर सकती है बल्कि अर्ध न्यायिक निकाय करती है।

महिला आरक्षण विधेयक चुनावी जुमला : अधीर रंजन

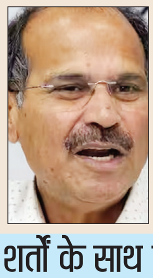

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा, 2014 में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में यह सुनिश्चित किया था कि वे महिला आरक्षण बिल लाएंगे लेकिन इसमें 10 साल लग गए, यह सिर्फ चुनावी जुमला है क्योंकि सरकार को बखूबी पता है कि यह अभी लागू नहीं होगा, यह जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा और यह कब की जाएगी इसकी जानकारी नहीं है। आप सपना दिखातें हैं लेकिन सपने को साकार करने के लिए रास्ता नहीं दिखाते।

शर्तों के साथ लाना दुर्भाग्यपूर्ण : राक्रांपा शरद पवार गुट

एनसीपी (शरद पवार गुट) वंदना चव्हाण ने कहा, हम खुश हैं कि महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पारित हुआ है लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह कुछ शर्तों के साथ आ रहा है। यह कहता है कि यह जनगणना और परिसीमन के बाद आएगा, अगर हमें सच में महिलाओं को आरक्षण देना है और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करना है तो वह अभी भी हो सकता है। किसी को नहीं पता कि जनगणना कब होगी और परिसीमन की प्रक्रिया भी 2-3 साल लेगी, लेकिन हम इसके लिए बिल का विरोध नहीं करेंगे। यह एक तरह से जुमला है।

बिल पारित होते ही जनगणना और परिसीमन होगा : अर्जुन राम मेघवाल

राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश करते हुए कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, यह आरक्षण ऊर्ध्वाधर के साथ-साथ क्षैतिज भी है। इसके तहत एससी-एसटी महिलाओं को भी

आरक्षण मिलेगा। इसलिए जनगणना और परिसीमन महत्वपूर्ण हैं,जैसे ही विधेयक पारित होगा, जनगणना और परिसीमन होगा। यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है।

भारत का कनाडा को एक और करारा जवाब

कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवा निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का हालिया बयान दोनों देशों के रिश्ते पर बुरा असर डाल रहा है। कनाडा की तरफ से भारत जाने वाले यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवायजरी जारी किए जाने के बाद अब भारत ने पलटवार किया है। विदेश मंत्रालय ने कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया है।

बताया गया है कि यह निलंबन अगले आदेश तक लागू रहेगा। कनाडा में भारतीय वीजा सेवाओं के पोर्टल पर एक नोटिस प्रकाशित किया गया है। इसमें भारतीय मिशन्स को संबोधित करते हुए कहा गया कि परिचालन संबंधी कारणों से भारत का वीजा जारी करने की प्रक्रिया को अगले आदेश तक निलंबित किया जाता है। लोगों को अपडेट्स के लिए वेबसाइट पर नजर रखने के लिए कहा गया है। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) की धमकी के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा में रहने वाले भारतीयों और वहां पढ़ रहे भारतीय छात्रों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की थी। इससे पहले कनाडा में हिंसात्मक गतिविधियों को देखते हुए वहां रहने वाले भारतीयों और देश में यात्रा करने वाले लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक रूप से क्षमा किए जाने वाले घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए, वहां मौजूद सभी भारतीय नागरिकों और यात्रा पर विचार करने वाले लोगों से अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया जाता है। कनाडा में हाल ही में भारत विरोधी एजेंडे के खिलाफ आवाज उठाने वाले भारतीय राजनयिकों और भारतीय समुदाय के लोगों को निशाना बनाने वाले खतरे सामने आए हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वो कनाडा के ऐसे इलाकों में जाने से बचें, जहां इस तरह की घटनाएं हुई हैं। बाद दोनों देशों के बीच तनाव गहरा गया है।

भाजपा ने महिलाओं का उड़ाया उपहास : अखिलेश

महिला आरक्षण के नाम पर धोखा दे रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जब जनगणना और परिसीमन के बिना महिला आरक्षण बिल लागू हो ही नहीं सकता है और इस प्रक्रिया में वर्षों लग जाएंगे तो भाजपा सरकार को इस तरह की आपाधापी में महिलाओं से झूठ बोलने की क्या जरूरत है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने नई संसद में पहले दिन से ही असत्य से अपनी शुरुआत की है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार की मंशा महिलाओं को आरक्षण देने की नहीं है। वह सिर्फ चुनावी जुमले के तहत महिला आरक्षण के नाम पर धोखा दे रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार न जनगणना के पक्ष में है और न ही जातीय जनगणना के। इसके बिना महिला आरक्षण संभव ही नहीं है। ये आधा-अधूरा बिल महिला आरक्षण जैसे गंभीर विषय का उपहास है। इसका जवाब महिलाएं आगामी लोकसभा चुनाव में जरूर देंगी। भाजपा सरकार महिला आरक्षण को लेकर कभी ईमानदार नहीं रही है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल और अभी तक हुए चुनावों में भाजपा ने अपने यहां 33 प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं दिया। उन्होंने फिर दोहराया कि वर्तमान महिला आरक्षण बिल में लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन नहीं है। समाजवादी पार्टी की नीति रही है कि महिला आरक्षण में पिछड़े, दलित, मुस्लिम, अल्पसंख्यक, आदिवासी समाज की महिलाओं का निश्चित प्रतिशत होना चाहिए।

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद सोशल मीडिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सपा-बसपा ने बिल में ओबीसी और एससी-एसटी समाज की महिलाओं के लिए कोटा की मांग की है। यह बिल राज्यसभा में पास हो चुका था लोकसभा में बिल को मंगलवार को मंजूरी दी गई। हालांकि, इसमें कई पेंच हैं जिससे इसका कार्यान्वित होना चुनौतीपूर्ण बताया जा रहा है।

देश में कब होगी जातिगत जनगणना : डिंपल यादव

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने सरकार से सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि क्या यह बिल आगामी चुनाव में लागू होगा या नहीं? उन्होंने जातीय जनगणना को लेकर भी सवाल पूछा कि यह कब होगी। डिंपल यादव ने सदन में कहा कि सपा की हमेशा से मांग रही है कि पिछड़ा वर्ग महिला, अल्पसंख्यक महिला को नारी शक्ति वंदन अधिनियम में शामिल किया जाए और इसमें उनको आरक्षण दिया जाए। लोकसभा और विधानसभा में यह महिला आरक्षण बिल तो लागू होगा लेकिन हम पूछना चाह रहे हैं कि राज्यसभा और विधान परिषद में लागू होगा कि नहीं? आने वाले चुनाव में यह लागू हो पाएगा कि नहीं। उन्होंने पूछा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में यह लागू हो पाएगा की नहीं? सवाल ये भी है कि जनगणना कब होगा और परिसीमन कब होगा? सरकार जातीय जनगणना और परिसीमन की तारीख बताए। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्ग की महिलाओं को भी आरक्षण मिले। अल्पसंख्यक महिलाओं को भी आरक्षण मिलना चाहिए। सभी वर्गों की महिलाओं को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी और ओबीसी की महिलाओं को आरक्षण मिलना चाहिए। सरकार को एक दशक के बाद महिलाओं की याद आई है। सरकार महिलाओं को उनका हक कब देगी?

महिला आरक्षण बिल आंखों में धूल झोंकने वाला : मायावती

» बोलीं- 15-16 साल से पहले नहीं मिल पाएगा लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल उठाए हैं। यह बिल महिलाओं को प्रलोभन देने और आंखों में धूल झोंकने वाला है। यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि विधेयक में कई प्रावधान ऐसे हैं जिससे महिलाओं को लाभ मिलने में 15-16 साल लग जाएंगे। उन्होंने कहा कि विधेयक को जनगणना और परिसीमन को पूरा करने के बाद लागू करने की बात कही गई है।

सरकार को ये प्रावधान हटाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही आरक्षण नहीं देना चाहती हैं। मायावती ने कहा कि अभी तक जनगणना नहीं हुई है और परिसीमन होने में भी कई साल लग जाएंगे। उन्होंने ओबीसी समाज की महिलाओं के लिए आरक्षण में अलग से कोटा तय करने की मांग की है। उम्मीद की जा रही थी कि महिला आरक्षण विधेयक पास होने के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा पर पहले जनगणना और फिर लोकसभा व राज्य सभा की विधानसभाओं के लिए परिसीमन कराए का प्रावधान होने से इसमें काफी समय लग सकता है।

जाति जनगणना का मुद्दा हर जनसभा में उठाएंगे : अजय

» कांग्रेस बढ़ती असमानता, घटती आय, बेरोजगारी, महंगाई पर बीजेपी को घेरेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । कांग्रेस जाति जनगणना के मुद्दे को निरंतर धार देगी। पार्टी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षण की मौजूदा ऊपरी सीमा को बढ़ाने की भी मांग करेगी। वह लोस चुनाव के दौरान जातीय जनगणना के साथ ही बेरोजगारी, संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का भी मुद्दा उठाएगी।

हैदराबाद में हुई कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी की बैठक में इन मुद्दों को निरंतर उठाने का संकल्प लिया गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने बताया कि बढ़ती

असमानता, घटती आय, बेरोजगारी, महंगाई के मुद्दे को लेकर लोकतांत्रिक संस्थानों पर कब्जे का विरोध होगा। जहां भी किसी तरह की आपराधिक अथवा लोगों को प्रताड़ित करने की घटना होगी, वहां प्रदेश संगठन पहुंच कर लोगों के हक की लड़ाई लड़ेगा और न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करेगा।

'भाजपा को नौ साल बाद याद आई महिलाएं'

» सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गृहमंत्री पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने महिला आरक्षण बिल को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने बिल लाने की टाइमिंग पर सवाल उठाया है, उन्होंने बताया कि भाजपा ने 2014 के अपने घोषणापत्र में महिला आरक्षण बिल लाने का वादा किया था।

बीजेपी को इस वादे को पूरा करने में 9 साल का लंबा वक्त लग गया। महिला आरक्षण विधेयक के मसौदे को जल्द लागू करने के विपक्ष की मांग के बीच परिसीमन समिति के गठन के पीछे के तर्क को समझाने वाली अमित शाह की टिप्पणी पर तंज कसते

हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि ये पाखंड के अलावा कुछ नहीं है, क्योंकि भाजपा के 2014 के घोषणापत्र में एक विधेयक के लिए किया गया वादा लंबे समय से अधर में था। संसद में पहली विधायी बाधा को दूर करने में इस बिल को 9 साल लग गए।बता दें कि महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में भारी बहुमत से पारित हो गया है. इसके समर्थन में 454 और विपक्ष में सिर्फ 2 वोट पड़े। लोकसभा में विधेयक पास होने के बाद एएनआई से बात करते हुए चतुर्वेदी ने कहा, उनका (अमित शाह का) बयान पाखंड के अलावा कुछ नहीं है, क्योंकि भाजपा ने 9 साल पहले 2014 के अपने घोषणापत्र में महिलाओं के लिए चुनावी प्रतिबद्धता जताई थी. महिला आरक्षण कानून सिर्फ (लोकसभा) चुनाव के लिए लाया गया है।

उनके (बीजेपी) सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद (2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में) और विपक्ष के कई लोगों ने विधेयक के लिए आवाज उठाई, उन्हें इसमें 9 साल लग गए, इसे अंजाम तक पहुंचाने में यह (विवादास्पद) खंड भी पाखंडपूर्ण था कि कानून का कार्यान्वयन जनगणना और परिसीमन के अधीन है।

केंद्र ऋण लेने पर लगा रहा रोड़े : सुक्खू

» पुरानी पेंशन बहाली के बाद लगा दी पाबंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने बताया कि पुरानी पेंशन बहाली के बाद से केंद्र सरकार ने हिमाचल सरकार पर ऋण लेने पर पाबंदियां लगा दी हैं। पूर्व की भाजपा सरकार को बीते 5 साल में विभिन्न एजेंसियों से 10,000 करोड़ का ऋण मिला। अब पाबंदियां लगने से वर्तमान सरकार को 3 साल में 2,944 करोड़ रुपये का ही ऋण लेने का सीमित कर दिया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से शिवधाम मंडी और कन्वेंशनल सेंटर धर्मशाला को केंद्र सरकार से मिली स्वीकृति का पत्र देने का आग्रह भी किया।

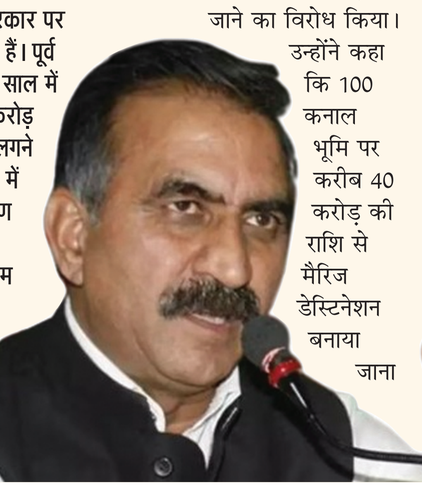

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के दौरे करने से कई जानकारियां मिल रही हैं। जिस स्वीकृति की बात जयराम ठाकुर करते हैं, वो कहां है। मुख्यमंत्री ने पालमपुर के मैंझा में मैरिज डेस्टिनेशन बनाए जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि 100 कनाल भूमि पर करीब 40 करोड़ की राशि से मैरिज डेस्टिनेशन बनाया जाना है। यह बनने से क्षेत्र में मैदान की कमी हो जाएगी। स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। मैंझा की जगह इसे पालमपुर या सुलह के किसी अन्य क्षेत्र में बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले को विधायक परमार के साथ बैठकर हल कर लिया जाएगा।

वंही मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में भांग की कानूनी खेती शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के लोगों की राय ली जाएगी। इस सदन में भी इस बारे में विचार-विमर्श किया जाएगा। इस संबंध में विधायकों की एक कमेटी बनाई गई है। इसे राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में बनाया गया है। यह कमेटी चार देशों का दौरा करेगी। उसके बाद अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी।

बीजेपी के समय में कई प्रस्ताव सिर्फ कागजों पर चल रहे थे

सीएम ने कहा कि यह प्रस्ताव वर्ष 2018 से कागजों में ही चल रहा है। एशियन डेवलपमेंट बैंक से इस प्रस्ताव को कोई मंजूरी नहीं मिली है। भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रदेश को मिलने वाले ऋण की सीमा को कम कर दिया है। केंद्र सरकार के आर्थिक मामलों के विभाग ने ऋण सीमा पर पाबंदी लगाई है। विश्व बैंक, जायका, जापान के बैंक सहित अन्य एजेंसियों से मिलने वाले ऋण भी इसमें आते हैं। प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाली के बाद से यह पाबंदियां लगी हैं।

राजस्थान के रण पर सियासी रार, भाजपा और कांग्रेस दोनों तैयार

गहलोत के जिले बनाने के बदले हो सकते हैं राज्य के दो टुकड़े

» कुछ बड़ा कर सकती है भाजपा जनता पार्टी

» राजस्थान से अलग हो सकता है मरु प्रदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सियासत के रंग-रंग इतने चटख होते हैं कि दूर से ही आंखों को चकाचौंध कर देते है। अभी आज कल विशेष सत्र को लेकर चर्चा थमी नहीं कि महिला आरक्षण बिल की बहस में पूरी राजनीति फंसी हुई। इस बीच अब सियासी गलियों में नई चर्चा हो रही है क्या भाजपा सरकार कुछ और बड़ा कर सकती है। हालांकि अभी ऐसी सुगबुगाहट तो नहीं चल रही है परंतु आगामी होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चाएं गर्म है। उनमें भी सबसे ज्याद चर्चा राजस्थान को लेकर है कुछ सूत्रों का कहना है कि अशोक गहलोत जिले बनाने के सियासी चाल के जवाब में मोदी सरकार राजस्थान राज्य के दो टुकड़े कर सकती है।

हालांकि अधिकारिक पष्टि कोई नहीं कर रहा डेसी सिर्फ चर्चा है। राजस्थान को दो प्रदेशों में बांटा जा सकता है,यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड हो रही है। राजस्थान में दो स्टेट के रूप में टुकड़े किए जाने की सम्भावना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चर्चाओं का बाजार गर्म है। इस आधार पर यह भी कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपना मास्टर स्ट्रोक खेल कर मरुप्रदेश की घोषणा कर सकती है। इस चर्चा को लेकर राजस्थान की सियासत में हलचल मची हुई है। इसको लेकर अब सभी की नजरें पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से बुलाए गए संसद के विशेष सत्र पर टिक गई हैं। अगर राजस्थान में मरुप्रदेश के रूप में नए स्टेट का गठन होता है तो यह सियासत की समीकरणों को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा। बता दें कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने बजट सत्र में 19 नए जिलों का गठन कर सबको चौंका दिया था। गहलोत के इस मास्टर स्ट्रोक को चुनाव के चलते मतदाताओं को लुभाने की एक बड़ी कोशिश मानी गई है। इसके जवाब में अब केंद्र की भाजपा सरकार भी गहलोत को मात देने का मन बना रही है। ऐसे में सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि आगामी चुनावों को लेकर बीजेपी भी राजस्थान में मरुप्रदेश का गठन कर गहलोत के मास्टर स्ट्रोक का तोड़ निकाल सकती है। सियासी गलियारों में इस बात की जमकर चर्चा हो रही है कि पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से बुलाए गए लोकसभा के विशेष सत्र में कई हैरान करने वाले फैसले सामने आ सकते हैं। जिसमें राजस्थान में मरुप्रदेश के गठन का ब?ा फैसला भी हो सकता है। बता दे की राजस्थान में मरुप्रदेश के गठन को लेकर काफी समय से मांग उठाई जा रही हैं।

परिवर्तन संकल्प यात्रा में वसुंधरा का न होना आश्चर्य

उधर झालावाड़ जिले में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अनुपस्थित रहीं। पार्टी के अनुसार यात्रा के दौरान भाजपा को झालावाड़ में भारी समर्थन मिला। हालांकि 33 सालों तक झालावाड़ से निर्वाचित प्रतिनिधित्व करने वाली वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुईं। वसुंधरा की गैरमौजूदगी को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। राजस्थान में सत्ता हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। ऐसा पार्टी की परिवर्तन संकल्प यात्राओं में दिख रहा है, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का इन यात्राओं से किनारा करना पार्टी और पार्टी के बाहर चर्चाओं का विषय बना हुआ है। मंगलवार को झालावाड़ जिले में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा (पीएसवाई) में शामिल नहीं हुईं। वसुंधरा ने इस क्षेत्र का पिछले 33 वर्षों से राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व किया है। राजे 1989 से 2003 तक पांच बार संसद में झालावाड़ से निर्वाचित प्रतिनिधि रहीं। इसके बाद, उन्होंने झालावाड़ जिले के झालरापाटन निर्वाचन क्षेत्र से विधायक के रूप में कार्य करके अपनी राजनीतिक यात्रा जारी रखी। पार्टी उपाध्यक्ष और कोटा संभाग के प्रभारी मुकेश धाडिच ने कहा, झालावाड़ में यात्रा को भारी समर्थन मिला, झालावाड़ के सांसद दुष्यंत सिंह दिन में कुछ देर के लिए यात्रा में हमारे साथ रहे। पूर्व सीएम राजे क्यों मौजूद नहीं थीं इसकी जानकारी नहीं है। यात्रा में अनुपस्थिति को लेकर हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर से प्रतिक्रिया के लिए राजे के कार्यालय से संपर्क किया गया। लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पीएसवाई यानी परिवर्तन संकल्प यात्रा का पहला चरण 2 सितंबर को सवाई माधोपुर के त्रिनेत्र मंदिर में शुरू हुआ था। 47 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने के बाद 1,847 किमी की यात्रा मंगलवार को जयपुर में समाप्त हुई। यात्रा ने भांकरोटा से जयपुर में प्रवेश किया। भाजपा विधायक काली चरण सराफ के प्रतिनिधित्व मालवीय नगर निर्वाचन क्षेत्र के राजा पार्क में शिव मंदिर पर यह यात्रा समाप्त हुई।

बनेगा मरु प्रदेश, 20 जिले होंगे शामिल

राजस्थान में मरुप्रदेश के गठन को लेकर लंबे समय से मांग उठाई जा रही हैं। यदि केंद्र सरकार की ओर से इसको लेकर बड़ा फैसला लिया गया तो, राजस्थान दो प्रदेशों में बंट जाएगा। ऐसे में मरुप्रदेश बनने के बाद अगर इस क्षेत्र की बात की जाए तो, इस प्रदेश को 20 जिले को मिलकर गठन किया जा सकता है। इनमें श्रीगंगानगर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, डीडवाना, कुचामन, नीमकाथाना, नागौर, फलोदी, जैसलमेर, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, बाड़मेर, बालोतरा, जालौर, सांचौर और सिरोही जिले शामिल हो सकते है। राजस्थान में मरु प्रदेश के गठन को लेकर सियासी गलियारों में यह तर्क है कि पश्चिमी राजस्थान का यह हिस्सा काफी पिछड़ा हुआ है। इसका मुख्य कारण यहां की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक और संस्कृत स्थिति अलग है। इसके अलावा जलवायु, कृषि, उद्योग और जनसंख्या घनत्व के कारण भी इस क्षेत्र का विकास कम रहा है। लिहाजा यह तर्क दिया जा रहा है कि यदि मरूप्रदेश के रूप में नए स्टेट का गठन होता है तो, इस क्षेत्र का तेजी से विकास होगा।

भैरोंसिंह शेखावत ने भी उठाई थी मांग

राजस्थान में मरुप्रदेश बनाने की मांग आजादी के बाद से ही लगातार उठती रही है। इस दौरान उपराष्ट्रपति रहते हुए भैरूसिंह शेखावत ने भी पत्र लिखकर राजस्थान में मरुप्रदेश बनाने की मांग उठाई थी। इसी तरह वर्ष 2001 में भी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तीन नए राज्य बनाने की बात कही थी।तब भी राजस्थान में मरुप्रदेश बनाने की मांग ने जोर पक?ा था।

6 घंटे में 7 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंची यात्रा

परिवर्तन यात्रा के जरिए जयपुर शहर में मंगलवार को छह घंटे में सात विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष राघव शर्मा के अनुसार, सभी निर्वाचन क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए कुल 18 किमी की यात्रा निर्धारित की गई थी। इसमें कालीचरण सराफ, अशोक लाहोटी और नरपत सिंह राजवी सहित शहर के सभी भाजपा विधायकों ने यहां यात्रा में भाग लिया। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि 18 दिनों तक इस यात्रा में लोगों जो फीडबैक मिला है उससे साफ हो गया है कि जनता बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारी यात्रा पूर्वी राजस्थान के 2 करोड़ से अधिक लोगों और सात जिलों तक पहुंची है। अगले तीन दिनों के दौरान, शेष तीन यात्राएं कोटा, जोधपुर और अलवर में समाप्त होंगी।

महाराष्ट्र में और सक्रिय होंगी सुप्रिया सुले

» संसद में पार्टी की तरफ से मुखर होकर बोल रहीं एनसीपी नेत्री,भाजपा-शिवसेना को कर सकती हैं परेशान

» सुप्रिया सुले ने भ्रष्टाचार का उठाया मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में आज कांग्रेस, बीजेपी, शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रस पार्टी केअलावा , शिवसेना यूबीटी के अलावा एनसीपी अजित गुट जैसे दल वहां पर अपने-अपने दावे कर रह हैं। जहां संसद में एनसीपी की ओर से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले मुखर होकर अपनी पार्टी बात रखती है वहीं भाजपा की मोदी सरकार के खिलाफ अकेले ही मोर्चा ले रही हैं। वहीं विधायकों के मामले में वहां विस अध्यक्ष का अब तक फैसला न लेना सियासी पार्टियों नागवार गुजर रही है।

खैर कुल मिलाकर महाराष्ट्र में राजनीति अलग-अलग दिशा में चल रही है चुनावों में पता चलेगा ऊंट किस करवट बैठता है। एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने सोमवार को लोकसभा में बोलते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के पुराने बयानों का जिक्र किया। इस दौरान सुले ने बीजेपी पर तंज कसते हुए हाथ जोड़कर विनती की। सुप्रिया सुले ने बीजेपी से गुजारिश की कि वो पीएम मोदी की इच्छा पूरी करें। भारत के संसद भवन में आज विशेष सत्र की कार्यवाही शुरू हो गई। मौजूदा संसद भवन में कामकाज का आज आखिरी दिन है। भारतीय संसद की 75 साल की प्रगति पर चर्चा में एनसीपी की ओर से सुप्रिया सुले ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री ने बेहद भावुक होकर अपनी राय रखी। उम्मीद थी कि उस समय सकारात्मक चर्चा होगी लेकिन सत्ता पक्ष के कुछ सांसदों ने राजनीतिक बयान दिए, जो उचित नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम उनसे प्रधानमंत्री का भाषण सुनने और अपनी राय व्यक्त करने की उम्मीद की जाती है। सुप्रिया सुले ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुप्रिया सुले ने प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन में नेहरू और आंबेडकर सहित अलग-अलग नेताओं के जिक्र के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री ने बहुत दिनों बाद एक कुशल राजनेता की तरह संसद को संबोधित किया। हालांकि, उन्होंने इस बात को लेकर दुख जताया कि बीजेपी ने सहकारी संघवाद पर विश्वास करने वाली दो हस्तियों- सुषमा स्वराज और अरुण जेटली का नाम नहीं लिया।

उचित समय पर फैसला लेंगे : नार्वेकर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और उनके वफादार विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं पर फैसले में देरी पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने चुप्पी तोड़ी है। नार्वेरकर ने कहा है कि शिवसेना विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी नहीं करेंगे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस संबंध में कोई जल्दबाजी भी नहीं दिखाएंगे, क्योंकि ऐसा करने से घोर अन्याय हो सकता है। अयोग्यता की याचिकाओं के निस्तारण में देरी को लेकर नार्वेकर एनसीपी (पवार गुट) और उद्धव ठाकरे (यूबीटी) के निशाने पर हैं। इतना ही नहीं महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट से एक सप्ताह के भीतर याचिकाओं के निस्तारण की डेडलाइन पूछी है। सुप्रीम कोर्ट का निर्देश मिलने के बाद राहुल नार्वेकर ने कहा कि मुझे इसकी सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी की जानकारी नहीं है। मुझे इस मामले में देरी करने में कोई दिलचस्पी नहीं है और न ही मैं जल्दबाजी करने जा रहा हूं, क्योंकि इसका नतीजा घोर अन्याय के रूप में सामने आ सकता है। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की थी कि उचित समय के भीतर याचिकाओं पर निर्णय लेने के निर्देश के बावजूद स्पष्ट रूप से अब तक कुछ भी नहीं किया गया है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नियमों और संवैधानिक प्रावधानों का पालन करने के बाद जल्द से जल्द निर्णय लिया जाएगा। नार्वेकर ने कहा कअ मुझे सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति नहीं मिली है। अदालत में क्या हुआ, इसकी जानकारी मुझे नहीं है। मुझे आदेश की सामग्री की जानकारी नहीं है। मैं अदालत के आदेश का अध्ययन करने के बाद ही कोई टिप्पणी कर पाऊंगा। नार्वेकर ने कहा कि वह जल्द से जल्द और उचित समय पर निर्णय लेंगे।

पहली महिला पीएम, राष्ट्रपति व लोस अध्यक्ष कांग्रेस की ही देन

सुले ने महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश करने की वकालत करते हुए कहा कि सत्ता पक्ष को यह नहीं भूलना चाहिए कि देश को पहली महिला राष्ट्रपति (प्रतिभा पाटिल), पहली महिला प्रधानमंत्री (इंदिरा गांधी) और पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष (मीरा कुमार) कांग्रेस ने ही दी हैं, इतना ही नहीं, महिला आरक्षण विधेयक भी कांग्रेस की ओर से लाया गया था। सुप्रिया सुले ने कहा कि वह इस बात को लेकर गौरवान्वित हैं कि उनका राज्य महाराष्ट्र महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला पहला राज्य बना। सुले ने सदन में उपाध्यक्ष का पद अब तक खाली रखे जाने को लेकर सत्ता पक्ष की आलोचना की और उससे आग्रह किया कि कल नये संसद भवन में प्रवेश करने के बाद कम से कम उपाध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय लिया जाना चाहिए। सुले ने ऐसे प्रयास की आवश्यकता भी जताई कि एक घंटे का प्रश्नकाल किसी भी प्रकार बाधित न हो। बीजेपी बीजेपी के एक सदस्य की ओर से भ्रष्टाचार को लेकर की गयी एक टिप्पणी पर सुले ने कहा भ्रष्टाचार के खिलाफ किसी भी जांच में हम सब साथ हैं। सुप्रिया सुले ने कहा कि सत्ता पक्ष के सांसदों ने भ्रष्टाचार मिटाने का मुद्दा उठाया। मैं उनका पूरा समर्थन करती हूं। क्योंकि जब प्रधानमंत्री महाराष्ट्र आए थे तो उन्होंने कहा था कि एनसीपी स्वाभाविक रूप से भ्रष्ट पार्टी है। उस समय उन्होंने सिंचाई और बैंक भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया था। सुप्रिया सुले ने कहा कि मैं सरकार से पुरजोर अनुरोध करता हूं कि इसकी तुरंत जांच की जाए। सुप्रिया सुले ने यह कहकर बीजेपी को दुविधा में डाल दिया कि हम इस जांच का पूरा समर्थन करेंगे। सुले ने कहा कि जहां तक रिश्तों की बात है तो संसद का हर सदस्य मेरा भाई है। आज की बीजेपी पर नजर डालें तो वहां ज्यादातर सदस्य कांग्रेस से ही गए हैं। सरकार हमेशा कहती है कि आपने साठ साल में क्या किया। लेकिन सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि 60 साल में जो सांसद हमारे पास थे आपके पास गए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कावेरी विवाद पर जल्द हो ठोस फैसला

“ इस महत्वपूर्ण बैठक में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, शोभा करंदलाजे, भगवंत खूबा, नारायणस्वामी, राजीव चंद्रशेखर और सुप्रीम कोर्ट के अन्य वकील ने भाग लिया। बैठक के बाद कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि हम बहुत संकटपूर्ण स्थिति का सामना कर रहे हैं।

कावेरी जल विवाद केंद्र के सामने पहुंच गया। कर्नाटक व तमिलनाडु में ये विवाद कई साल पुराना है। विवाद की जड़ में दोनों प्रदेशों में पानी के बंटवारा है। तमिलनाडु द्वारा पानी रोके जाने पर कर्नाटक में पानी का संकट आ जाता है। इसी को लेकर कर्नाटक सरकार के कई जिम्मेदारों ने केंद्र सरकार के मंत्रियों से भेंट की है। कावेरी जल बंटवारा विवाद पर चर्चा के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रियों और सर्वदलीय सांसदों के साथ एक बैठक राष्ट्रीय राजधानी में हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, शोभा करंदलाजे, भगवंत खूबा, नारायणस्वामी, राजीव चंद्रशेखर और सुप्रीम कोर्ट के अन्य वकील ने भाग लिया। बैठक के बाद कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि हम बहुत संकटपूर्ण स्थिति का सामना कर रहे हैं। हम केवल एक-तिहाई पानी ही दे पा रहे हैं। सीडब्ल्यूएमए ने हमें 15 दिनों के लिए 5000 क्यूसेक पानी देने का आदेश दिया है, हमारे पास पीने के लिए भी पानी नहीं है। इसके साथ ही डीके शिवकुमार ने कहा कि हमने सभी संसद सदस्यों के साथ (इस पर) चर्चा की है, जिन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वे हमारी लड़ाई का समर्थन करेंगे। हम सुप्रीम कोर्ट के सामने दबाव बना रहे हैं कि हमें न्याय दिया जाए। राज्य के लोकसभा और राज्यसभा सदस्य, कावेरी बेल्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक, मंत्री और कानूनी टीम बैठक का हिस्सा रहे। बैठक के दौरान कावेरी नदी जल बंटवारे के मुद्दे पर सामने आई कठिन परिस्थिति को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए राज्य के हितों की रक्षा के लिए किए जाने वाले उपायों और निर्णयों पर चर्चा हुई। यह बैठक कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) द्वारा कर्नाटक को 26 सितंबर तक 5000 क्यूसेक कावेरी जल छोड़ने के लिए कहने के बाद हुआ। कर्नाटक ने पानी छोड़ना शुरू कर दिया है, लेकिन राज्य के कुछ हिस्सों में गंभीर सूखे का हवाला देते हुए, आवश्यक पानी को कम करने के लिए सीडब्ल्यूएमए को चुनौती देना जारी रखा है। बैठक से पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा था कि राज्य के सभी सांसद आज राज्य के कई मंत्रियों के साथ मिलेंगे और वे मिलकर कर्नाटक के हितों की रक्षा करेंगे। इससे पहले मंगलवार को दिन में राज्य के जल संसाधन मंत्री दुरई मुरगन के नेतृत्व में तमिलनाडु के सांसदों और विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गतिरोध को तोड़ने के प्रयास में केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र शेखावत से मुलाकात की। वहीं, डीके शिवकुमार भी गजेंद्र शेखावत से मुलाकात कर चुके हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

डिजिटल दौर में पाबंदी के फैसले का औचित्य

पंकज चतुर्वेदी

पिछले दिनों दिल्ली में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यूनेस्को के सहयोग से तैयार एक कार्टून किताब के विमोचन के अवसर पर बच्चों से पूछ लिया कि वे कितना समय मोबाइल-कंप्यूटर पर देते हैं। उन्होंने बच्चों से पूछा कि उनका स्क्रीन टाइम क्या है। इस सवाल पर वहां मौजूद बच्चे दाएं-बाएं देखने लगे। हालांकि कुछ बच्चों ने संकुचाते हुए तीन से चार घंटे बताया। इस पर प्रधान ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्यादा स्क्रीन टाइम नुकसानदायक है। इससे तीन दिन पहले ही आंध्र प्रदेश सरकार ने स्कूलों में फोन पर पाबन्दी लगा दी, सरकार ने यह कदम यूनेस्को की उस रिपोर्ट के बाद उठाया जिसमें मोबाइल के अधिक इस्तेमाल से बच्चों के मानसिक विकास पर विपरीत असर पड़ने की बात कही थी। राज्य में अब शिक्षक भी कक्षा में फोन नहीं ले जा सकते।

हालांकि कोविड से पहले फ्रांस ने भी शिक्षा में सेल फोन पर पाबन्दी लगाई थी वहीं कोलंबिया, अमेरिका, इटली, सिंगापुर, बंगलादेश जैसे देशों में कक्षा में मोबाइल पर रोक है। भारत में फिलहाल यह अटपटा लग रहा है क्योंकि अभी डेढ़ साल पहले हमारा सारा स्कूली शिक्षा तंत्र ही सेल फोन से संचालित था। यही नहीं, नई शिक्षा नीति-2020 में मोबाइल और डिजिटल डिवाइस के सलीके से प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया है। वैसे भारत में सस्ता इंटरनेट और स्मार्ट फोन अपराध का बड़ा कारण बना हुआ है- खासकर किशोरों में यौन अपराध या मारपीट का। मोबाइल कैमरे से वीडियो बनाकर उसे इंटरनेट के जरिये पलभर में दुनिया तक पहुंचाने की आकांक्षा युवाओं को कई गलत रास्तों की ओर मोड़ रही है। नोएडा में स्कूल के बच्चों ने अपनी ही टीचर का भदेस वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया। इसी तरह का नीला जहर इंटरनेट पर स्कूली छात्राओं के बारे में मौजूद है। इसके विपरीत कई बच्चों को अनजाना रास्ता तलाशना हो, किसी गूढ विषय का हल, देश-दुनिया की जानकारी या फिर अपने विरुद्ध हुए अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी हो; इन सभी में मोबाइल ने नयी ताकत और राह दी है, खासकर लड़कियों को मोबाइल ने बड़ा सहारा दिया है।

हालांकि भारत में मोबाइल-धारक बच्चों का आंकड़ा बहुत कम है। खासकर सरकारी स्कूल जाने वाले बच्चों में करीब आधे माता-पिता का फोन मांगकर ही काम चलाते हैं लेकिन यह भी सच है कि यदि बच्चे क्लास में फोन लेकर बैठते हैं तो वे बोर्ड-पुस्तक के बजाय मोबाइल पर ज्यादा ध्यान देते हैं। एक-दूसरे को मेसेज भेजने, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर सक्रिय रहते हैं। इससे उनके सीखने और याद रखने की गति प्रभावित हो रही है, स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर हो रहा है। वे खेल के मैदान के बजाय आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनमें मोटापा, आलस, आंखें व याददाश्त कमजोर होने, गुस्सैल या हिंसक होने जैसे प्रभाव दिखे। पहले बच्चे जिस गिनती, पहाड़े, स्पेलिंग या तथ्य को स्मृति में रखते थे, अब वे सर्च इंजन की चाहत में उसे याद नहीं रखते। वहीं सेल फोन के साथ बच्चा भीड़ के बीच भी अकेला रहता है। कटु सत्य है कि स्कूल में फोन कई बुराइयों को जन्म दे रहा है। आज फोन में खेल,संगीत, वीडियो जैसे कई ऐसे एप उपलब्ध हैं जिसमें बच्चे का मन लगना ही है और इससे उसकी शिक्षा पर विपरीत प्रभाव पड़ता हैं। फोन इम्तिहान में नकल का औजार भी बन गया है। यही नहीं स्मार्ट फोन पर नीला जहर किशोर बच्चों के लिए बेहद हानिकर है। फोन पर बहुत बच्चे धमकियों व शोषण का शिकार भी होते हैं। मोबाइल, विद्यालय और शिक्षा का एक दूसरा पहलू भी है। जिस देश में मोबाइल कनेक्शन की कुल आबादी के लगभग करीब पहुंच रही हो, जहां करीब 12 साल के बच्चे के लिए मोबाइल अनिवार्य बनता जा रहा हो, वहां बच्चों को डिजिटल साक्षरता, जिज्ञासा, सृजनशीलता, पहल और

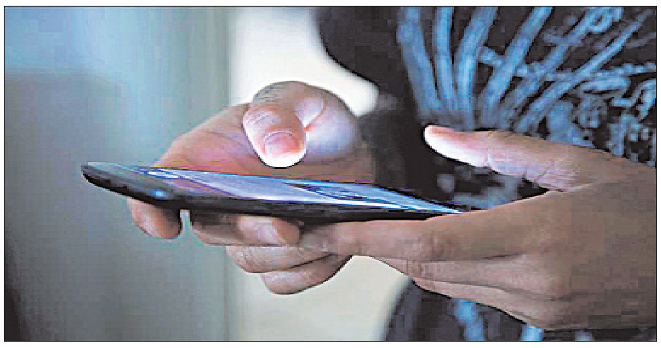

सामाजिक कौशलों की जरूरत है। पुस्तकों में पढ़ाते हैं कि गाय रंभाती है या शेर दहाड़ता है। मोबाइल पर सर्च इंजन का इस्तेमाल, वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री में यह पता लगाना कि कौन सी पुष्ट तथ्य वाली नहीं है, अपने पाठ में पढ़ाए जा रहे स्थान, ध्वनि, रंग, आकृति को तलाशना व बूझना प्राथमिक शिक्षा में शामिल होना चाहिए।

किसी दृश्य को चित्र या वीडियो के रूप में सुरक्षित रखना एक कला के साथ-साथ सतर्कता का भी पाठ है। लेकिन बच्चों को मोबाइल के सटीक इस्तेमाल का कोई पाठ किताबों में है ही नहीं। भारत में शिक्षा का अधिकार व कई अन्य कानूनों के जरिये बच्चों के स्कूल में पंजीयन का आंकड़ा और साक्षरता दर में वृद्धि निश्चित ही उत्साहवर्धक है लेकिन जब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात आती है तो आंकड़ा यह है कि देश में 10 लाख शिक्षकों की कमी है।

स्वच्छ शहर के बाद अब सबसे स्मार्ट भी

हेमंत पाल

एक नियोजित शहर की संरचना के साथ उसे लेकर कुछ सोच भी विकसित होती है। शहर में रहने वाले उसके स्वच्छ होने, शुद्ध होने, स्मार्ट होने और व्यवस्थित होने की भी कल्पना करते हैं। इस नजरिये से देखा जाए, तो इंदौर ऐसी सारी उम्मीदों पर खरा उतरता है। लगातार छह साल तक देश में सबसे स्वच्छ शहर का खिताब हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन इंदौर ने यह कमाल किया। अब ये शहर उससे भी आगे निकल गया। हाल ही में इसे देश का सबसे शुद्ध शहर चुना गया, जिसका आशय है कि यहां की हवा में शुद्धता है। बात यहीं खत्म नहीं होती। इंदौर को देश के सबसे स्मार्ट शहर के रूप में भी चुना गया। केंद्र सरकार ने जो 'इंडिया स्मार्ट सिटी पुरस्कार 2022' की घोषणा की, उसमें इस शहर ने 'बेस्ट नेशनल स्मार्ट सिटी' का अवॉर्ड जीता। ये तो वे अवॉर्ड हैं, जो इंदौर ने मुकाबले में जीते। वास्तव में तो यह शहर अपनी तरह का अनोखा शहर तो पहले से ही है। यहां की सांस्कृतिक विरासत, स्वादिष्ट व्यंजन, लता मंगेशकर जैसी स्वर साम्राज्ञी की जन्मस्थली और जाने-माने फिल्म कलाकार सलमान खान के शहर का किसी से कोई मुकाबला नहीं।

केंद्र सरकार ने जब बीते बरस इंदौर को लगातार छठी बार देश के सबसे स्वच्छ शहर के खिताब के लिए चुना, तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ। क्योंकि, इंदौर जितनी सफाई देश के किसी भी हिस्से में नहीं है। इस शहर की स्वच्छता का अपना अलग मॉडल है, जिसे अपनाकर ये शहर इस शिखर पर बना हुआ है। नगर निगम ने यहां सफाई का जो मॉडल विकसित किया, वो है कचरे का सही तरीके से निपटारे का सिस्टम। यह शहर सफाई के दौरान निकले कचरे को बेचकर भी करोड़ों रुपए कमा रहा है। इसे कचरा पेटी मुक्त शहर का तमगा भी हासिल है। यहां रहने वाली 40 लाख से ज्यादा की आबादी रोजाना करीब 1,200 टन सूखा और 700 टन गीला कचरा डिस्चार्ज करती है। इससे सीएनजी गैस बनाई जाती है, जिससे नगर निगम की सिटी बसें दौड़ती हैं।

छह बार स्वच्छता में अव्वल आने वाले इंदौर को शुद्ध आबोहवा वाला शहर भी चुना गया। ये स्वच्छता के क्षेत्र में इसकी एक और उपलब्धि है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023' में इंदौर को पहले स्थान पर रखा। बता दें 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में इंदौर ने 200 में से 187 अंक हासिल कर पहला स्थान पाया। इस शहर की वायु को शुद्ध करने के लिए 3 साल में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इतनी बड़ी राशि खर्च करके ही इंदौर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को 100 अंक से नीचे रख सका है। वास्तव में तो यह चुनौती सबसे बड़ी थी। शहर को स्वच्छ-स्मार्ट बनाया जा सकता है, पर आबोहवा की शुद्धता लंबी मेहनत के अलावा रणनीति से ही संभव है। इंदौर ने आबोहवा सुधारने के लिए शहर में रोज मशीनों से सड़कों की सफाई की। नगर निगम ने ई-व्हीकल को बढ़ावा देना शुरू किया। ई-चार्जिंग स्टेशन बनाए गए। इसके अलावा साईकल सुविधा भी शहर में उपलब्ध कराई गई।

सिटी बसें सीएनजी और इलेक्ट्रिसिटी से चलाई जा रही हैं। वायु की शुद्धता के लिए शहर के मार्गों पर 100 से ज्यादा मॉनिटरिंग मशीनें लगाई गई। दो मॉनिटरिंग स्टेशन भी बनाए गए हैं, जो प्रदूषण पर नजर रखते हैं। शहर के अलग-अलग चौराहों पर डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए। ढाबों में लकड़ी से जलने वाले तंदूर के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया। चौराहों पर लाल बत्ती पर खड़े वाहनों के इंजन बंद कराने के लिए भी अभियान चलाया। इसके अलावा इंदौर को अभी एक और उपलब्धि हासिल हुई, वो है 'बेस्ट नेशनल स्मार्ट सिटी' का अवॉर्ड। केंद्र सरकार ने 'इंडिया स्मार्ट सिटी पुरस्कार 2022' की घोषणा की, जिसका अवॉर्ड भी इंदौर को मिला। सूरत और आगरा क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। देश के 100 स्मार्ट शहरों में भी इंदौर के अव्वल रहने के पीछे यहां की स्वच्छता और शुद्धता का बड़ा योगदान है। देश में स्मार्ट शहर के चुनाव के लिए लिए कुछ पैरामीटर प्रदर्शित करने होते हैं। ये हैं बढ़िया इंटरनेट कनेक्टिविटी, अच्छा बुनियादी ढांचा, सुगम परिवहन और बेहतर कानून-व्यवस्था। स्मार्ट शहर को साइबर दक्षता और डेटा सुरक्षा के बारे में भी जागरूक होना जरूरी है। इंदौर ने पिछले साल सूरत के साथ मिलकर विजेता के रूप में स्मार्ट सिटी का साझा पुरस्कार जीता था।

अब इंदौर को सोलर सिटी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए घरों और दफ्तरों का सर्वे करके बताया जाएगा कि उनकी छत पर सोलर पैनल लगाने से कितनी बिजली बचेगी और क्या फायदे होंगे। बैंक से मिलने वाली सब्सिडी और कर्ज की जानकारी भी जाएगी, ताकि लोग प्रेरित हों। इसके अलावा फ्लाईओवर के नीचे की खाली जगह को विकसित कर वहां के लिए उपयोगी प्रोजेक्ट भी तैयार किए जा रहे हैं। शहर के कुछ स्मारक और पार्क भी विकसित किए जा रहे हैं। अगले साल तक स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लागू करने की तैयारी भी कर रहा है। जिस तरह से इंदौर को अपने प्रयासों में सफलता मिल रही है, उसमें शहर प्रशासन के साथ ही यहां के निवासियों के योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

ये शाकाहारी चीजें खाने से मजबूत बनेंगी हड्डियां

शरीर को स्वस्थ और तंदुरुस्त बनाए रखने के लिए हड्डियों का मजबूत होना बेहद जरूरी है। हड्डियां मजबूत होंगी, तो लंबे समय तक आप अपने सभी काम आसानी से कर पाएंगे। हड्डियां कमजोर होने पर चलना-फिरना भी मुश्किल हो सकता है। हड्डियों को हेल्दी बनाए रखने के लिए अच्छा खाना पीना बेहद जरूरी है। आज आपको 5 ऐसे फूड्स के बारे में बताएंगे, जो हड्डियों के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। इनमें चिकन-मटन से ज्यादा कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व होते हैं। इनका सेवन करने से हड्डियों में फौलाद सी ताकत आ सकती है।

अंजीर

सूखे अंजीर को हड्डियां मजबूत करने के लिए सबसे ज्यादा असरदार माना जा सकता है। हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार दो अंजीर में लगभग 65 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। अंजीर को दलिया के ऊपर डालकर खाया जा सकता है या स्मूदी में मिलाया जा सकता है। अंजीर को पनीर के साथ या पिज्जा टॉपिंग के रूप में भी खाया जा सकता है। अंजीर को भिगोकर खाने से भी शरीर को अनगिनत लाभ होते हैं।

प्लांट मिल्क

प्लांट मिल्क का सेवन करने से भी हड्डियों को अटूट ताकत मिलती है। बादाम, चावल या सोया से बने दूध को नेचुरल मिल्क जितना पौष्टिक बनाने के लिए फोर्टिफाइड किया जाता है, जिससे इसमें कैल्शियम की मात्रा भरपूर हो जाती है। इनका सेवन करने से शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होती है। इसके अलावा गाय और भैंस के दूध में भी कैल्शियम होता है और उसे हड्डियों के लिए अच्छा माना जाता है।

टोफू

टोफू सोयाबीन से बना एक व्यंजन है, जिसमें कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है। दावा किया जाता है कि टोफू की 4-औंस सर्विंग में 430 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। कैल्शियम में उच्च होने के साथ यह प्रोटीन का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है। हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए इसे बेहद लाभकारी माना जा सकता है। प्रोटीन आपकी मसल्स को बढ़ाने में मदद करता है। टोफू को ओवरऑल हेल्थ के लिए चमत्कारी माना जा सकता है।

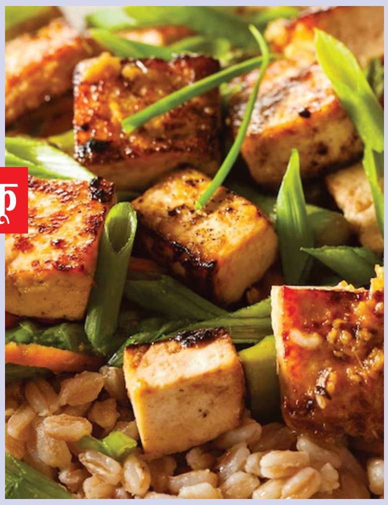

सफेद डिब्बाबंद फलियां

सफेद डिब्बाबंद फलियां को हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। इन एक कप फलियों में लगभग 190 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। बीन्स प्रोटीन का भी अच्छा स्रोत है। आप फलियों का सेवन करके हड्डियों को आसानी से मजबूत बना सकते हैं। इसके अलावा हरी सब्जियों में भी कैल्शियम समेत तमाम पोषक तत्व होते हैं, जिनसे हड्डियों को हेल्दी रखा जा सकता है।

बादाम और आलमंड बटर

बादाम और आलमंड बटर पोषक तत्वों का भंडार होता है। आमतौर पर इन्हें हार्ट के लिए लाभकारी माना जाता है, लेकिन हड्डियों को मजबूत बनाने में भी ये चीजें बेहद असरदार है। आधा कप नट्स में 190 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जबकि 2 बड़े चम्मच बादाम मक्खन में 111 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। अगर आपमें कैल्शियम की कमी है या हड्डियां कमजोर हैं, तो इन चीजों का सेवन कर सकते हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर: तुम्हारी एक किडनी फेल हो गई है। मंटू: पहले तो बहुत रोया, फिर रोते हुए बोला साहब ये भी बता दीजिए कि कितने नंबर से फेल हुई है...?

लड़की: क्या करते हो? लड़का: नारी सम्मान सेवा पर काम करता हूं। लड़की: वाह सोशल वर्कर हो? लड़का: नहीं, फेसबुक पर लड़कियों की फोटो Like करता हूं! पतिः आज खाना सासू मां ने बनाया है क्या? पत्नी: वाह कैसे पहचाना। पति: जब तुम बनाती थी तो काले बाल निकलते थे ... आज सफेद निकला है।

टीचर:लड़कियां अगर पराया धन होती हैं तो लड़के क्या होते हैं? सोनू: सर लड़के चोर होते हैं। टीचर: वह कैसे? क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराए धन पर होती है।

पत्नी: तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं। पति: तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है ऐसी जिंदगी पर!

कहानी — लोमड़ी और हंस

एक लोमड़ी और एक हंस दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे। एक दिन लोमड़ी ने हंस को दावत पे अपने घर बुलाया। हंस दावत पे गया और लोमड़ी ने दोनों के लिए खीर बनाई। लेकिन लोमड़ी ने जानबूझकर दोनों के लिए प्लेट में खीर परोसी। अब हंस के सामने परेशानी यह थी कि वो खीर खाये तो कैसे खाये क्यूंकि हंस का मुँह तो पतला होता है और उसकी चोंच भी बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वो एक प्लेट में रखी हुई खीर आसानी से खा सके। इसलिए बहुत कोशिश करने के बाद भी हंस कुछ न खा सका। इधर लोमड़ी मजे से खीर खाये रही थी क्यूंकि प्लेट में खाना उसके लिए बेहद आसान था। इसलिए लोमड़ी ने जल्दी ही अपनी सारी खीर चट कर डाली। बेचारा हंस चुपचाप बस लोमड़ी का मुँह देखता रह गया। हंस लोमड़ी के इस व्यवहार पर बेहद नाराज हुआ लेकिन उस समय वो चुपचाप वहां से चला गया। अब वो लोमड़ी से इस अपमान का बदला लेना चाहता था। इसलिए कुछ दिन बाद उसने भी लोमड़ी को अपने घर दावत पे बुलाया। इस बार हंस ने दोनों के लिए खिचड़ी पकाई। जब लोमड़ी दावत पे आयी तो हंस ने दोनों के लिए पतले मुँह वाली सुराहियों में खिचड़ी परोसी। अब लोमड़ी यह देखकर परेशान हो गयी कि उसके लिए एक पतले मुँह वाली सुराही में खाना परोसा गया है जिसके कारण वो कुछ भी खा नहीं सकती। लोमड़ी को इस बार बहुत जोरो की भूख लगी थी लेकिन अब वो खाये तो कैसे। इधर हंस बड़े मजे से खिचड़ी का आनंद ले रहा था क्यूंकि लम्बे और पतले मुँह वाली सुराही में खाना उसके लिए बहुत आसान था। लोमड़ी अब चुपचाप ये सब देखती रही और अब उसे वो पुरानी बात याद आ गयी जब इसी तरह उसने भी हंस का अपमान किया था। अब लोमड़ी बात को समझ चुकी थी। इसलिए वो चुपचाप वहां से खिसक ली। इस प्रकार हंस ने अपने अपमान का बदला ले लिया।

कहानी से शिक्षा: घर आये मेहमान का कभी अपमान नहीं करना चाहिए।

5 अंतर खोजें

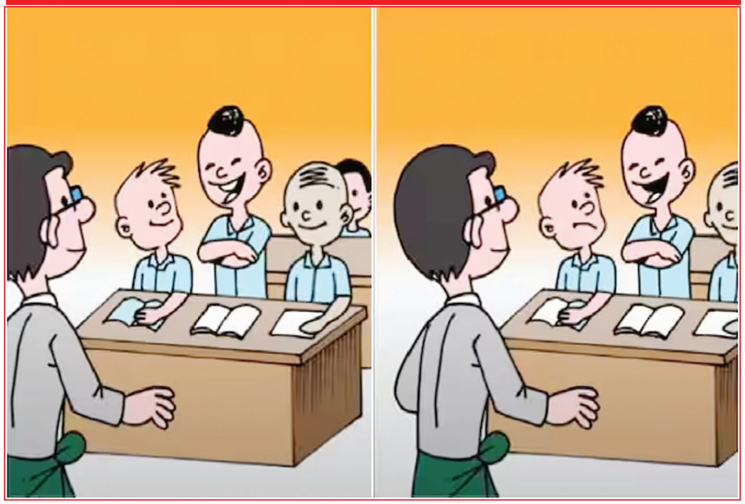

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृषभ: आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

मिथुन: आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क: आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह: नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कन्या: व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

तुला: वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक: भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

धनु: अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी।

मकर: दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कुम्भ: आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा।

मीन: विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

फिल्म वेलकम-3 को लेकर बेहद उत्सुक हैं लारा दत्ता

लारा दत्ता ने कई हिट फिल्मों में काम किया है। लारा अब अपनी अगली फिल्म वेलकम 3 की तैयारी में जुटी हुई हैं। यह वेलकम फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग है। इस फिल्म का नाम वेलकम टू द जंगल है। दर्शकों को वेलकम के अगले भाग का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में लारा दता ने मल्टीस्टारर फिल्म का हिस्सा बनने के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि यह बेहद ही रोमांचक होने वाला है।

लारा दत्ता ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं यह बता नहीं सकती की कितने लोगों के संदेश आते हैं कि क्या हम सेट पर आ सकते हैं। यह बहुत ही अच्छा लगता है। जाहिर सी बात है कि मेरे और रवीना के बोर्ड पर आने के लिए, इस फिल्म का हिस्सा बनने से कुछ तो खास होना चाहिए। लारा इस फिल्म का हिस्सा बनने से बेहद खुश हैं। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है।

बता दें कि वेलकम फ्रेंचाइजी की इस तीसरी फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी और परेश रावल भी नजर आएंगे। वेलकम 3 में इन स्टार्स के अलावा तुषार कपूर, जैकलीन फर्नांडीज, रवीना टंडन, लारा दत्ता, दिशा पटानी, वृहि कोदवारा, जाकिर हुसैन, शारिब हाशमी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, मीका सिंह, दलेर मेहंदी और यशपाल शर्मा भी दिखाई देंगे।

वेलकम टू द जंगल का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म के टीजर को दर्शकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिरोज नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म है। इस फिल्म में पहली बार 24 कलाकार एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे। अहमद खान इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉलीवुड मसाला

बॉलीवुड मन की बात

वाकई में बहुत एक्साइटिंग है हबीबा का किरदार : कृतिका कामरा

कृतिका कामरा इन दिनों वेब शो बंबई मेरी जान में अपने किरदार हबीबा कादरी को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में कृतिका एक फीमेल गैंगस्टर के रूप में नजर आ रही हैं। इस मुलाकात में कृतिका हमसे अपनी सीरीज और किरदार की तैयारी पर बातचीत करती हैं। बंबई मेरी जान में अपने किरदार की तैयारी पर कृतिका कहती हैं, इस स्क्रिप्ट ने मुझे चुना है। मुझे कास्टिंग डायरेक्टर से कॉल आया कि ऑडिशन चल रहा है। मैं सिलेक्ट हो गई और डायरेक्टर संग किरदार के ग्राफ को लेकर तैयारी करने के बाद अब मैं हबीबा हूं। किरदार वाकई में बहुत एक्साइटिंग है। दरअसल अब तक के करियर में ऐसा कुछ किरदार नहीं निभाया था। मेरे लिए चैलेंज के साथ-साथ इसमें काफी नयापन भी था। किरदार के रेफरेंस पॉइंट पर कृतिका कहती हैं, किरदार ऐसा है कि इसका रेफरेंस पॉइंट बहुत कम है। हां, रिसर्च बहुत ज्यादा है। हुसैन जैदी ने इस दुनिया के बारे में बहुत कुछ लिखा है। हमारे जो क्रिएटर्स हैं, उन्होंने काफी रिसर्च की थी। पूरी कहानी बहुत इंटेंस है। आप देखें, तो हबीबा इस सीरीज में पैदा होती है और उसकी पूरी जर्नी का ग्राफ होता है। उसकी पूरी जिंदगी ही आप देख लेते हैं, कि वो किस दुनिया से है, किस परिवार से ताल्लुक रखती है। इसका रेफरेंस पॉइंट कोई रियल इंसान या किरदार भी नहीं था। इसलिए मैंने किसी को देखकर कुछ तैयार नहीं किया था। मैंने चीजें पढ़ीं और उससे उस दुनिया को बनाने की कोशिश की है। अब तक मिले बेस्ट तारीफों पर कृतिका कहती हैं, मैं मुंबई से नहीं हूं, तो मुझे इस किरदार के लिए डायलेक्ट पर बहुत काम किया था। उस पर जो मुझे तारीफें मिल रही हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। लोगों को यकीन नहीं हो रहा है कि मैं नॉर्थ बेल्ट से हूं। मुझे दूसरे एक्टर्स डायरेक्ट मेसेज कर कह रहे हैं कि, तुम ऐसे बोल लेती हो, हमें तो पता नहीं था... तुम तो पूरी मुंबईया हो... जबकि मैं मध्यप्रदेश से हूं। मेरी हिंदी बहुत अलग है। वहीं जिन लोगों ने सीरीज खत्म कर ली है, वो सेकंड सीजन को लेकर सवाल कर रहे हैं।

भाईजान संग धमाल मचाने आ रहीं सामंथा रुथ

सामंथा रुथ प्रभु अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। ऑटोइम्यून बीमारी मायोसिटिस को मात देने के बाद अभिनेत्री ने काम पर वापसी कर ली है। अभिनेत्री को हालिया रिलीज फिल्म खुशी में देखा गया। वहीं, आने वाले दिनों में सामंथा, वरुण धवन के साथ वेब सीरीज सिटाडेल इंडिया में नजर आएंगी। इतना ही नहीं बीते दिनों एक खबर आई कि सामंथा ने करण जौहर के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए हामी भर दी है, जिसमें वह सलमान खान के अपोजिट देखी जाएंगी। इन्हीं अफवाहों पर अब खुद सामंथा ने चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा खुलासा किया है। सलमान खान के साथ हिंदी फिल्म में डेब्यू करने की अटकलों के बीच सामंथा ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम लाइव सेशन किया। इसमें उन्होंने बताया कि उनके अगले प्रोजेक्ट के लिए अभी कोई ठोस योजना नहीं है। अपने इंस्टाग्राम लाइव सेशन में सामंथा ने कहा, मेरा अगला प्रोजेक्ट वास्तव में एक भी नहीं है। कोई योजना नहीं है। उन्होंने अपनी भविष्य की परियोजनाओं के बारे में अधिक समझदार होने की इच्छा व्यक्त की।

सामंथा रुथ प्रभु ने बताया कि वह अभी उन भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं, जो उन्हें चुनौती देती है। अभिनेत्री खुद को कम्फर्ट जोन से बाहर निकालना चाहती हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने कहा, मैं उन चीजों के बारे में अधिक चयनात्मक होना चाहती हूं, जिन पर मैं काम करती हूं। जो चीजें वास्तव में मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर धकेलती हैं, जब तक मुझे उस तरह की भूमिका नहीं मिलती, मुझे लगता है कि मैं ठीक हूं।

दुनिया की सबसे मजबूत बिल्डिंग, 40 सालों से पड़ी है खाली, झेल गई 6 खतरनाक भूकंप

मेक्सिको सिटी में 'टोरे इन्सिग्निया' को भले ही लगभग 40 साल से खाली छोड़ दिया गया हो, लेकिन यह धरती पर सबसे सुरक्षित बिल्डिंगों में से एक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 25 मंजिल की गगनचुंबी इमारत, जो 417 फीट ऊंची है, पिछले 38 सालों में छह भूकंपों से बच गई है। इस इमारत की स्ट्रेंथ देख कर इसे दुनिया की सबसे मजबूत बिल्डिंग माना जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस बिल्डिंग ने 1985 और 2017 के बीच 6 बड़े भूकंप झेले। इसकी संरचना को कोई नुकसान नहीं हुआ। इसमें 1985 का मेक्सिको सिटी में आया वो विनाशकारी भूकंप भी शामिल है, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 8.0 मापी गई थी। इस तरह के भयंकर भूकंप से किसी भी बिल्डिंग का बच पाना नामुमकिन सा होता है, लेकिन 'टोरे इन्सिग्निया' आज भी मेक्सिको सिटी के बीचों-बीच बड़ी ही शान से खड़ी हुई है। सुरक्षा के कारणों से इस बिल्डिंग के बुनियादी ढांचे को खड़ा छोड़ दिया गया है। 1959 से 1962 के बीच इसके निर्माण में प्रयुक्त सामग्री कंक्रीट, कांच और एल्यूमीनियम थी। बिल्डिंग के अंदर खाली कमरों की कई मंजिलें हैं, जिन पर कभी सरकारी बैंक बानोब्रास का हेडक्वार्टर हुआ करता था। 1985 में आए उस पहले भूकंप के बाद से इस बिल्डिंग का बहुत कम उपयोग होने के कारण यह खाली पड़ी हुई है। 2 लाख 36 हजार 806 वर्ग फुट के कुल फ्लोर एरिया और 83 हजार 056 वर्ग फुट की फ्लोर के साथ, यह मेक्सिको की दूसरी सबसे ऊंची इमारत बन गई। इस बिल्डिंग की डिजाइन अद्भुत है। यह ट्रायंगुलर प्रिज्म आकार में बनी हुई है, जो मेक्सिको सिटी से गुजरते समय नजर नहीं आता है। इसके एक तरफ मैनुअल गोंजालेज मेट्रोबस स्टेशन है। इस बिल्डिंग में अभी भी दुनिया का सबसे ऊंचा कैरिलोन मौजूद है। यह एक ताल वाद्य तंत्र होता है, जो इस इमारत के सबसे ऊंचे तल पर बना हुआ है। इस वाद्य यंत्र को बेल्जियम सरकार ने गिफ्ट में दिया था। इसके साथ 47 घंटियां भी हैं, जो पूर्व डच फाउंड्री पेटिट एंड फिट्सन द्वारा बनाई गई हैं, जिनका वजन 26 टन है और 125 मीटर तक फैली हुई है। भूकंप आने तक योलान्डा फर्नांडीज डी कॉर्डोबा मुख्य कैरिलोनिस्ट थी। लेकिन जब इमारत वीरान हो गई, तब भी वह विशेष अवसरों पर कैरिलोन बजाती थी। हालांकि, ऐसी खबरें आई हैं कि योलान्डा का 2018 में निधन हो गया। यह माना जाता है कि वह मेक्सिको की एकमात्र जीवित कैरिलोनिस्ट थी, यह स्पष्ट नहीं है कि टोरे इन्सिग्निया में कैरिलोन को फिर कभी बजाया जाएगा या नहीं।

अजब-गजब

गुजरात के गांव जांबुर को बोलते हैं मिनी अफ्रीका

7वीं सदी में भारत आया यह अफ्रीकी समुदाय, अब हो गया है पूरा भारतीय

आपने ये तो हमेशा सुना होगा कि भारत विविधताओं का देश है, पर क्या आप इस कथन के मायने समझते हैं। यहां हर 100 किलोमीटर पर आपको अलग मौसम, अलग खानपान, अलग भाषा, बोली और लहजा मिलेगा, साथ ही अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोग और विभिन्न समुदाय भी मिल जाएंगे जो एक दूसरे से अलग होते हुए भी साथ में रहते हैं। कहीं अगर आप गुजरात पहुंच गए, तो आपको सबसे ज्यादा हैरान तब होंगे, जब आपको भारत में मिनी अफ्रीका देखने को मिलेगा। ये जगह देखकर आपको भारत की विविधता पर गर्व होगा, और आश्चर्य भी!

गुजरात में एक ऐसी जगह है, जहां रहने वाले लोग हूबहू अफ्रीकी दिखते हैं। कद-काठी, रंग-रूप, सब दिखने में अफ्रीका के देशों में रहने वाले लोगों जैसा ही है, पर ये लोग पूरी तरह देसी हैं और गुजराती, बोलते हुए दिख जाते हैं। गुजरात के गांव जांबुर को मिनी अफ्रीका बोलते हैं। यूं तो ये भारत के बाकी गांवों जैसा ही है पर इसकी अपनी अलग खासियत है। यहां सिद्दी समुदाय के लोग रहते हैं। ये लोग अफ्रीकी मूल के हैं। इस समुदाय के लोग कर्नाटक में भी रहते हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार इस समुदाय के लोगों को 7वीं सदी में अरब आक्रमणकारी अपने साथ नौकर बनाकर लाए थे। कई व्यापारी और नाविक के तौर पर भारत के पश्चिमी तट तक चले आए थे। ये लोग भारत आकर यहीं पर बस गए और इनका परिवार यहीं बढ़ता गया। सिद्दी समुदाय में अब जो लोग भी रह रहे हैं, वो कहीं से भी खुद को अफ्रीकी नहीं मानते, बल्कि पूरी तरह भारतीय ही मानते हैं क्योंकि वो सदियों से यहां रह रहे हैं। उन्हें अफ्रीका के बारे में कुछ भी नहीं पता है, ना ही वहां की भाषा आती है। इस वजह से आप जब यहां जाएंगे, तो ये लोग आपसे गुजराती में ही बात करेंगे।

माना जाता है कि ये लोग अफ्रीका की बंटू जनजाति के वंशज हैं। कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि इन्हें पुर्तगाली लोग भी नौकर बनाकर अपने साथ भारत लाए थे। ये लोग मूल रूप से एबिसिनियन और पर्शियन के नाम से जाने जाते थे, जबकि जो जनजातियां रैंक में ऊपर उठीं, उन्हें सिद्दी की उपाधि मिली।

रिपोर्ट्स के अनुसार सिद्दी नाम अरबी शब्द सैय्यद/सैयद से लिया गया है, जिसका अर्थ है मास्टर यानी स्वामी। ये लोग अपने समुदाय में ही शादी करते हैं, इस वजह से उनके जीन्स समुदाय के अंदर ही कायम रहते हैं। यही कारण है कि इन सभी का लुक अफ्रीकी लोगों जैसा बना हुआ है। हालांकि, ये गुजराती मान्यताओं का ही पालन करते हैं।

पश्चिमी मीडिया की पुरानी आदत से वाकिफ : थरूर

बीबीसी की एक रिपोर्ट पर बरसे, कहा-दूसरे देशों का आंकलन करने में बहुत तेजी दिखाता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर चल रहे विवाद के बीच आई बीबीसी की एक रिपोर्ट पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पश्चिमी मीडिया को खरी-खरी सुनाई है। शशि थरूर का कहना है कि पश्चिमी मीडिया दूसरे देशों का आकलन करने में बहुत तेजी दिखाता है, इसलिए उन्हें भारत-कनाडा के संबंधों पर बीबीसी की रिपोर्ट देखकर हैरानी नहीं हुई, पश्चिमी मीडिया का ये रवैया नया नहीं है।

सांसद शशि थरूर ने बीबीसी की रिपोर्ट को लेकर ट्वीट किया, मैं पश्चिमी मीडिया द्वारा नियमित रूप से लगाए जाने वाले आरोपों से हैरान नहीं होता हूं,

दरअसल, वे दूसरे देशों का आकलन करने में बहुत तेजी दिखाते हैं, और अपने देशों के प्रति इतने चुप्पी साधे रखते हैं! बीबीसी का विश्लेषण कहता है कि पश्चिमी देशों ने रूस, ईरान या सऊदी अरब जैसे देशों द्वारा की गई कथित हत्याओं की निंदा की है और वे नहीं चाहेंगे कि भारत उस सूची में शामिल हो। उन्होंने ट्वीट में आगे लिखा, हेल्लो? पिछले 25 वर्षों में दूसरे देशों की सीमाओं में जाकर की गई कथित हत्याओं में सबसे ऊपर अमेरिका और इजरायल का नाम आता है! क्या पश्चिम में कोई आईना मौजूद है? शशि थरूर ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया था। दरअसल, जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया है कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों का हाथ पाया गया है, इसके बाद कनाडा ने मौजूद भारतीय राजनयिक को देश छोड़ने का आदेश दे दिया, इसके जवाब में भारत ने भी कनाडा के राजनयिक को पांच दिन के भीतर देश से चलने जाने के लिए कहा है।

एनआईए ने खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई तेज की, पांच आतंकियों पर इनाम घोषित

खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करते हुए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने हरविंदर सिंह संधू उर्फ 'रिंदा' और लखबीर सिंह संधू उर्फ 'लांडा' सहित प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के पांच सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को नकद इनाम दिए जाने की घोषणा की। संघीय एजेंसी ने रिंदा और लांडा प्रत्येक के लिए 10 लाख रुपये के इनाम और परमिंदर सिंह खैरा उर्फ 'पट्टू', सतनाम सिंह उर्फ ''सतबीर सिंह'' और यादविंदर सिंह उर्फ ''यद्दा'' पर पांच लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि ये पांच आतंकवादी भारत की शांति व सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने और पंजाब में आतंक फैलाने के उद्देश्य से बीकेआई की आतंकवादी गतिविधियों को लेकर दर्ज एक मामले में वांछित हैं। यह मामला इस साल की शुरुआत में दर्ज किया गया था।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली आतंकी सुखदूल सिंह की हत्या की जिम्मेदारी

कनाडा में मोगा जिले के दविंदर बंबीहा गिरोह के सुखदूल सिंह उर्फ सुक्खा दुनिके की बुधवार (20 सितंबर) की रात को हत्या कर दी गई. इंडिया टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस हत्या के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने आतंकी सुखदूल सिंह उर्फ सुक्खा दुनिके की हत्या की जिम्मेदारी ली है। लॉरेंस बिश्नोई के गैंग में गोल्डी बराड़ भी शामिल है, जिन्होंने सुखदूल सिंह उर्फ सुक्खा दुनिके की हत्या की जिम्मेदारी ली है. आपको बता दें कि सुखदूल सिंह उर्फ सुक्खा दुनिके बंबीहा गिरोह से जुड़ा था, जिसकी कल रात यानी 20 सितंबर को मौत हो गई थी। दुनिके पर हमलावरों ने 15 गोलियां चलाई थी।

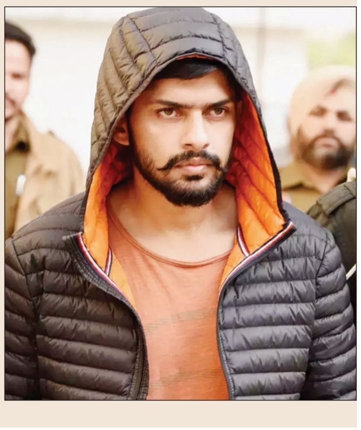

सत्येंद्र जैन को झटका, दूसरे जज के पास नहीं ट्रांसफर होगा केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की उन आवेदनों को खारिज कर दिया। जिसमें उन्होंने धन शोधन व भ्रष्टाचार के मामलों की लंबित सुनवाई को विशेष न्यायाधीश विकास ढुल के यहां से स्थानांतरित कर किसी अन्य न्यायाधीश के पास करने की मांग की थी।

राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चंदना ने कहा कि जैन की पूर्वाग्रह की आशंका में कोई दम नहीं है। उन्होंने कहा कि पक्षपात या पूर्वाग्रह के आरोप लगाना आसान है, लेकिन उसे साबित करना मुश्किल है। आगे कहा कि किसी जज की ओर से की गई कड़ी टिप्पणी यह निष्कर्ष निकालने का आधार नहीं हो सकता कि वह निष्पक्ष तरीके से सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा एक न्यायाधीश से अपेक्षा की जाती है कि वह बिना किसी डर और पक्षपात के कार्यवाही का संचालन करे।

शिवराज सिंह चौहान इस्तीफा दें : सुरजेवाला

» प्रदेश में आदिवासी अत्याचार पर कांग्रेस हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के अनूपपुर में आदिवासी व्यक्ति की पिटाई के मामले में पीसीसी चीफ कमलनाथ के बाद अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव और मध्य प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शिवराज सरकार पर निशाना साधा है। सुरजेवाला ने कहा कि चप्पलों से पीटे जा रहे हैं, पेशाब से नहला रहे हैं, जानवरों का खाना खिला रहे हैं। भाजपाई आदिवासी गौरव व सम्मान पर यातनाओं का कहर ढा रहे हैं। उन्होंने शिवराज सिंह चौहान से इस्तीफा देने की मांग की।

पीसीसी मुख्यालय में रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मध्य प्रदेश टंट्या भील, भीमा नायक, बादल भोई जैसे सैकड़ों स्वाभिमानी आदिवासी नायकों की पुण्य भूमि है। मध्यप्रदेश के कण-कण में ''जंगल, जमीन कोन री छे, आमरी छे-आमरी छे''। ''एक तीर, एक कमान - आदिवासी एक समान' इन नारों की अनुगूंज सुनाई देती है। मध्यप्रदेश को यह गौरव हासिल है कि देश के सबसे अधिक आदिवासी

समाज के लोग अनादिकाल से यहां के मूल निवासी हैं। मगर 18 सालों के शिवराज राज में वे वीभत्स यातना, अमानवीय प्रताड़ना तथा आत्मा छलनी करने वाले कुकृत्यों के शिकार हैं और शिवराज इनके जिम्मेवार हैं। सत्ता के नशे में मदमस्त भाजपा नेताओं ने आदिवासी समाज के खिलाफ न सिर्फ अमानवीयता की सारी हदें पार की हैं, बल्कि उनकी नरपिशाचिक करतूतों ने पूरे मध्य प्रदेश को शर्मसार कर दिया है। सुरजेवाला ने कहा कि कभी आदिवासी समाज के लोगों को अपमानित करने के लिए सरेआम निर्ममता से उनके ऊपर पेशाब करते हैं और वीडियो बनाकर वायरल कर देते हैं। कभी भाजपा नेता आदिवासी समाज के लोगों को उनके मृत रिश्तेदार के सम्मुख निर्ममता और बर्बरता से सर पर चप्पलों से पीटते हैं। कभी आदिवासियों के खिलाफ प्रतिशोध की आग में जल रही शिवराज सरकार विदिशा में आदिवासियों पर गोलियां दागती है और आदिवासी युवक को मौत के घाट उतारती है। कभी कोरोना काल के दौरान शिवराज राज आदिवासी जिलों में ऐसा अनाज बांटती है, जो जानवरों के खाने लायक भी नहीं। कभी भाजपा सरकार आदिवासी भाईयों के 3 लाख 22 हजार से अधिक वनाधिकार पट्टे निरस्त कर उन्हें दरबदर की ठोकरें खाने के लिए छोड़ देती है। सुरजेवाला ने कहा कि आदिवासी समाज अपने स्वाभिमान, आत्म सम्मान तथा जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ रहा है। इस ल?ाई में कांग्रेस पार्टी दृढ़ता से आदिवासी समाज के साथ खड़ी है। क्या भाजपाई नेता तथा शिवराज सिंह चौहान आदिवासी समाज की पीड़ा और वेदना का जवाब देंगे। सुरजेवाला ने आदिवासी पर पिछले दिनों हुई घटनाओं को भी याद दिलाया।

कांग्रेस नेता सज्जन कुमार सिखों की हत्या के मामले में बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट ने 1984 में हुए सिख दंगों के दौरान सुल्तानपुरी इलाके में हत्या के मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को बरी कर दिया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने तीन सिखों की मौत के मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार और अन्य लोगों को राहत दी।

सुल्तानपुरी इलाके में छह लोगों की मौत हुई थी। सज्जन कुमार पर भीड़ को उकसाने का आरोप है। सज्जन कुमार के ऊपर भीड़ को उकसाने का आरोप है। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज एम के नागपाल ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर आरोप साबित करने में नाकाम रहा। इससे पहले साल 2010 में सज्जन कुमार समेत अन्य लोगों पर कड़कड़डूमा कोर्ट ने सुल्तानपुरी में सिखों की मौत पर आरोप तय किए थे। इसके बाद उन्हें जमानत मिल गई। अभी सज्जन कुमार कोर्ट में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं।

मो. सिराज बने दुनिया के नंबर वन गेंदबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में 6 विकेट लेकर तूफान मचाने वाले भारतीय गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नई कामयाबी मिली है। दरअसल, सिराज वनडे में दुनिया के नंबर वनड गेंदबाज बने हैं। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज वनडे फॉर्मेट में दुनिया के नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। ये उपलब्धि उन्हें हाल ही में संपन्न हुए एशिया कप फाइनल में करिश्माई प्रदर्शन करने पर मिली है।

बता दें कि, सिराज ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 7 ओवरों में महज 21 रन देकर 6 विकेट झटके थे। आईसीसी की वनडे रैंकिंग में सिराज ने पहला स्थान किया है।

बल्लेबाजों में बाबर शीर्ष पर

दूसरी तरफ बल्लेबाजों की बात करें तो, पहले नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 857 रेटिंग के साथ नंबर वन पर काबिज हैं। जबकि दूसरे नंबर पर भारतीय युवा बल्लेबाज गिल 814 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं विराट कोहली 708 रेटिंग के साथ टॉप 10 में 8वें नंबर पर हैं। तो भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 696 रेटिंग के साथ 10वें स्थान पर हैं।

हालांकि, इससे पहले साल की शुरुआत यानी जनवरी में भी उन्होंने इस रैंकिंग में पहला स्थान किया था। जिसके बाद मार्च में जोश हेजलवुड ने उन्हें रिप्लेस कर दिया था। वहीं उन्होंने महज 16 गेंदों में पांच विकेट अपने नाम भी किए थे। इसके बाद ही बुधवार को जारी हुई आईसीसी रैंकिंड में सिराज ने आठ पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए 694 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर अपना कब्जा किया है। वहीं पहले नंबर पर जोश हेजलवुड 678 रेटिंग के साथ अब दूसरे नंबर पर फिसल गए हैं। जबकि तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट 677 रेटिंग के साथ हैं। बोल्ट भी सिराज के ऊपर आने से एक पायदान नीचे खिसक गए हैं। इसके अलावा भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव तीन पायदान नीचे 9वें पायदान पर हैं। साथ ही दक्षिण अफ्रीका के स्पिन गेंदबाज केशव महाराज भी अपने हालिया प्रदर्शन के बाद रैंकिंग में लंबी कूद के साथ 15वें नंबर पर आ गए हैं।

मोदी अपनी गलतियों को नहीं कर रहे स्वीकार : सत्यपाल मलिक

» पुलवामा हमले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने पुलवामा आतंकी हमले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में करने की मांग की। सत्यपाल मलिक ने कहा कि, नरेंद्र मोदी सरकार अपनी गलतियों को स्वीकार करने में विफल रही है, जिसके कारण कश्मीर में फरवरी 2019 में 40 सीआरपीएफ जवानों की मौत हुई, पूर्व राज्यपाल ने आगे कहा कि मैं पुलवामा आतंकी हमले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग करता हूं। जिसमें हमारे 40 जवान शहीद हो गए, अब तक प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने इस त्रासदी पर चुप्पी साध रखी है और गंभीर खामियों को स्वीकार करने में विफल रहे हैं। बता दें कि, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में मीडिया को संबोधित करते हुए मलिक ने कहा कि, मोदी ने पुलवामा हमले के बारे में इस साल अप्रैल में उठाए गए गंभीर सवालों का जवाब भी नहीं दिया। उन्होंने कहा, मैं फिर से कह रहा हूं कि संभावित आतंकी हमले की कई खुफिया रिपोर्टों के बावजूद सरकार ने सीआरपीएफ जवानों को यात्रा के लिए विमान उपलब्ध नहीं कराया, अगर विमान उपलब्ध कराया गया होता तो जवान शहीद नहीं होते।

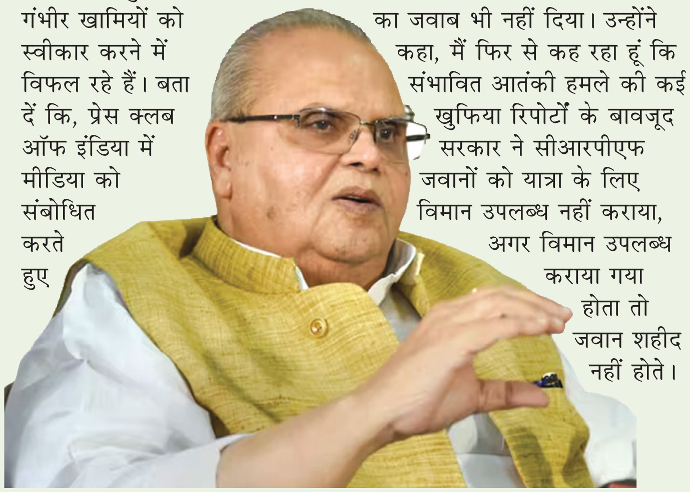

चुनाव जीतना पीएम की प्राथमिकता

बता दें कि अब तक न तो पीएमओ और न ही किसी अन्य सरकारी विंग ने सत्यपाल मलिक के दावों का जवाब दिया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के आरोपों के बाद, सीबीआई ने केंद्र शासित प्रदेश में एक कथित स्वास्थ्य बीमा घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए उन्हें समन जारी किया था। सत्यपाल मलिक ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के दौरान 40 सीआरपीएफ जवानों की हत्या और बालाकोट में भारतीय वायुसेना के हमले का राजनीतिकरण किया था, यहां तक कि पहली बार मतदाताओं से अपना वोट बालाकोट में हवाई हमले को अंजाम देने वाले बहादुर सैनिकों को समर्पित करने के लिए कहा था. तब से चार साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन मोदी सरकार जवाबदेही तय करने में विफल रही है। चुनाव जीतना उनकी एकमात्र प्राथमिकता है। इस देश के लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है कि, इस बार भी संसदीय चुनावों से पहले इसी तरह के हमले हो सकते हैं।

बीबीडी की छात्रा को लगी गोली, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चिनहट क्षेत्र के दयाल रेजीडेंसी में बीबीडी छात्रा निष्ठा तिवारी को दारू पार्टी के दौरान गोली लग गई। आननफानन उसे इलाज के लिए लोहिया अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मौके से छात्र आदित्य पाठक सहित दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। छात्रा हरदोई की रहने वाली थी।

निष्ठा तिवारी (20) बीबीडी से बीकॉम ऑनर्स की पढ़ाई कर रही थी। अभी वह पार्श्वनाथ सिटी में रह रही थी। इसके पहले बीबीडी के हॉस्टल में रह रही थी। उसके पिता संतोष कुमार तिवारी यूपी सहकारी ग्राम विकास बैंक में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं और उनका परिवार हरदोई के सदर कोतवाली में रहता है। उनकी पोस्टिंग कन्नौज में हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी मामले में हस्तक्षेप से किया इंकार

» कर्नाटक को झटका, सर्वोच्च न्यायालय ने कावेरी जल प्राधिकरण के आदेश को बरकरार रखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। दरअसल आदेश के तहत कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने कर्नाटक को आदेश दिया था कि वह तमिलनाडु को 5000 क्युसेक पानी जारी करे। प्राधिकरण ने 18 सितंबर को यह आदेश दिया था और आदेश के तहत कर्नाटक को 28 सितंबर तक तमिलनाडु को पानी देना था।

हालांकि सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे कर्नाटक ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जहां से अब कर्नाटक सरकार को झटका लगा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण के आदेश में कोई भी हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण को हर 15 दिन में बैठक करने का निर्देश दिया है। कावेरी जल विवाद बीते दिनों उस वक्त फिर चर्चा में आ गया, जब तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक से अपने जलाशय के जल में से 24 हजार क्युसेक पानी प्रतिदिन देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। वहीं कर्नाटक का कहना है कि इस बार कम बारिश की वजह से राज्य को सूखे जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

एयर इंडिया के फ्लाइट सेफ्टी चीफ निलंबित

» डीजीसीए ने एक महीने के लिए किया सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एविएशन इंडस्ट्री की देखरेख करने वाली संस्था डीजीसीए (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) ने गुरुवार को बताया कि कुछ गलतियों के चलते एयर इंडिया के फ्लाइट सेफ्टी चीफ को एक महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया है।

जुलाई 25 और 26 को डीजीसीए की टीम ने एयर इंडिया के इंटरनल ऑडिट, एक्सीडेंट प्रिवेंशन वर्क और जरूरत के मुताबिक टेक्निकल स्टाफ की उपलब्धता का निरीक्षण किया था। इसमें डीजीसीए को एयर इंडिया की तरफ से किए जा रहे एक्सीडेंट प्रिवेंशन वर्क में कमियां मिली थीं। इसके साथ ही जितने मैनपावर की जरूरत थी, वह भी नहीं था।

दिल्ली के स्कूल में बम की धमकी से मचा हड़कंप

» पुलिस ने जांच शुरू की, बम स्क्वॉड मौके पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के एक स्कूल में बम की धमकी हड़कंप मच गया है। इस धमकी के बाद एहतियात के तौर पर स्कूल कैंपस को खाली करा दिया गया है। मामला साउथ दिल्ली के आरके पुरम के स्कूल का है। जानकारी के मुताबिक, स्कूल में बम से उड़ाने को लेकर एक धमकी भरा ई-मेल आया है। इस सूचना पर पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। मौके पर बम स्क्वाड, अग्निशमन विभाग और स्थानीय पुलिस की टीम पहुंची है। बम निरोधक दस्ता द्वारा स्कूल परिसर की तलाशी ली गई।

ईमेल कल आया था। आज सुबह उसे देखने के बाद सुबह 8.25 पर स्कूल प्रशासन की ओर से पुलिस को कॉल की गई थी।

पहले भी हुई है ऐसी घटना

गौरतलब है कि यह ऐसा पहला मामला नहीं जब दिल्ली में किसी स्कूल को बम की धमकी ईमेल मिला आया हो। इससे पहले भी कई बार ऐसी घटना सामने आ चुकी है।

जानकारी के अनुसार, ईमेल में यह बताया गया था कि प्रधानाचार्य कक्ष के आसपास बम रखा गया है। सुबह मिली बम का धमकी के बाद घंटों चली तलाशी में कुछ नहीं मिला तो इसे झूठा करार दिया गया। बता दें कि आरके पुरम के सेक्टर-3 में स्थित लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में ये ईमेल आया है। पुलिस मेल के आइपी एड्रेस समेत अन्य तकनीकी जानकारियों को जुटाने में लगी है। स्कूल प्रशासन ने आशंका जताई है कि इस हरकत के पीछे कुछ शरारती बच्चों का हाथ हो सकता है। हालांकि स्थानीय पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सूर्य की रोशनी चंद्रयान पर पड़ी, फिर भेजेगा डेटा

» इसरो कल कम्युनिकेट करने की करेगा कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। चांद की सतह पर रोवर प्रज्ञान के रोटेशन का वीडियो लैंडर विक्रम के कैमरे से बनाया गया है। इसरो ने इसे 31 अगस्त को शेयर किया था। चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर के 14 दिनों बाद फिर जागने की उम्मीद है। 14 दिनों की रात के बाद चांद के दक्षिण ध्रुवीय हिस्से पर एक बार फिर सूरज की रोशनी पहुंचने लगी है। इसरो स्लीप मोड पर डाले गए विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर से 22 सितंबर को संपर्क करने की कोशिश करेगा।

इसरो के मुताबिक, लैंडर और रोवर के सोलर पैनल पर सूरज की रोशनी पड़ते ही ये काम करना शुरू कर सकते हैं। इसरो ने 4 सितंबर को विक्रम लैंडर को स्लीप मोड में डाल दिया था। इससे पहले 2 सितंबर को प्रज्ञान रोवर को स्लीप मोड में डाला गया था। लैंडर ने स्लीप मोड में जाने से पहले पेलोड्स के जरिए चांद पर नई जगहों की जांच-पड़ताल की थी। उसके बाद ही विक्रम लैंडर को सोने का कमांड दिया गया। फिलहाल सारे पेलोड्स बंद हैं। सिर्फ रिसीवर ऑन है, ताकि वह बेंगलुरु से कमांड लेकर फिर से काम कर सके। रात के दौरान चांद के साउथ पोल पर तापमान माइनस 238 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। रोवर-लैंडर सूर्य की रोशनी में तो पावर जनरेट कर सकते हैं, लेकिन रात होने पर पावर जनरेशन प्रोसेस रुक जाएगी। पावर जनरेशन नहीं होगा तो इलेक्ट्रॉनिक्स भयंकर ठंड को झेल नहीं पाएंगे और खराब हो जाएंगे।

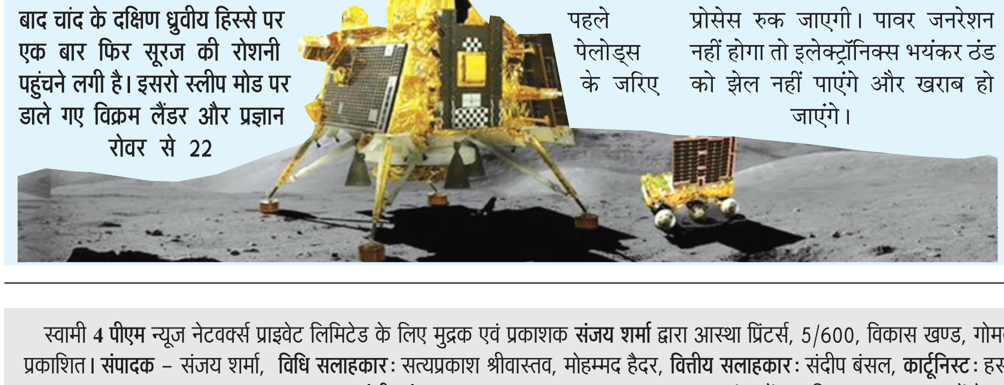

कई आंकड़े भेज चुका है विक्रम लैंडर

इससे पहले 31 अगस्त को इसरो ने बताया कि चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर पर लगे आईएलएसए पेलोड ने चंद्रमा की सतह पर भूकंप की प्राकृतिक घटना को रिकॉर्ड किया है। ये भूकंप 26 अगस्त को आया था।28 अगस्त को भेजे दूसरे ऑब्जर्वेशन में चांद के साउथ पोल पर सल्फर, एल्युमीनियम, कैल्शियम, आयरन, क्रोमियम, टाइटेनियम की मौजूदगी का भी पता चला है। सतह पर मैगनीज, सिलिकॉन और ऑक्सीजन भी हैं, हाइड्रोजन की खोज जारी है। 27 अगस्त को रोवर प्रज्ञान के सामने 4 मीटर व्यास वाला क्रेटर यानी गड्ढा आ गया। ये गड्ढा रोवर की लोकेशन से 3 मीटर आगे था। ऐसे में रोवर को रास्ता बदलने का कमांड दिया गया। इससे पहले भी प्रज्ञान करीब 100 मिमी गहरे एक छोटे क्रेटर से गुजरा था। लैंडर विक्रम पर लगे रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फियर एंड एटमॉस्फियर-लैंगम्यूर प्रोब ने चांद के साउथ पोल पर प्लाज्मा खोजा है, हालांकि ये कम घना (विरल) है। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर में लगे चास्ट पेलोड ने चंद्रमा के तापमान से जुड़ा पहला ऑब्जर्वेशन भेजा है। यानी चंद्र सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट के मुताबिक चंद्रमा की सतह और अलग-अलग गहराई पर तापमान में काफी अंतर है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।